ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–७७
दिनांक- मंगलवार, ०५ अक्टूबर, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 28.6 एवं 23.8 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 95 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 82 प्रतिशत, हवा की औसत गति 9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 0.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 3.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 26.7 एवं दोपहर में 33.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 85.7 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(06–10 अक्टूबर, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 06–10 अक्टूबर, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में हल्के बादल छाए रह सकते हैं। पूर्वानुमान की अवधि में आमतौर मौसम के शुष्क रहने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 32–36 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 24–26 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 05–08 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से अगले एक दिन पूरवा हवा उसके बाद दो से तीन दिन पछिया हवा तथा अखिरी के एक दिन फिर से पूरवा हवा चलने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पिछले ३–४ दिनों में उत्तर बिहार के तराई एवं मैदानी जिलों के अनेक स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा हुई है, जिसके कारण खेतों में जल जमाव की स्थिति बन गई है। किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि खड़ी फसलों एवं सब्जियों में जमा हुए अधिक वर्षा जल के निकासी की व्यवस्था करें। कद्दुवर्गीय सब्जियों को उपर चढ़ाने की व्यवस्था करें ताकि वर्षा से सब्जियों की लत्तर को गलने से बचाया जा सकें। कीटनाषक दवाओं का फसलों में छिड़काव मौसम साफ रहने पर हीं करें।
- धान की फसल में ब्राउन प्लांट होपर कीट की निगरानी करें। यह मच्छरनुमा कीट पौधा की पत्तियों एवं तने से रस चुसता है जिससे पत्तिया सुखी हुई तथा भुरे रंग की हो जाती है। प्रारंभ में यह एक स्थान में रहते है जो बाद में सारे खेत में फैल जाते हैं एवं कभी-कभी यह सारी फसल को नष्ट कर देती है। यदि प्रकोप दिखाई दें तो इमिडाक्लोरोप्रिड / ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें।
- धान की फसल जो दुग्धाअवस्था में आ गयी हो उसमें गंधी बग कीट की निगरानी करें। इस कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों पौधों के बालियों का रस चुसना प्रारंभ कर देती हैं जिससे दाने खोखले एवं हल्के हो जाते हैं तथा छिलका का रंग सफेद हो जाता है। धान की दुग्धावस्था में यह पौधों को अधिक क्षति पहुचाती है जिससे उपज में काफी कमी होता है। इसके शरीर से विशेष प्रकार का बदबु निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है। इसकी संख्या जब अधिक हो जाती है तो एक-एक बाल पर कई कीट बैठे मिलते है। इसके नियंत्रण के लिए फॉलीडाल १० प्रतिशत धूल का प्रति हेक्टेयर १०–१५ किलोग्राम की दर से भूरकाव मौसम के शुष्क रहने पर करें।
- सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है। इससे बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- बैगन की तैयार पौध की रोपाई करें। रोपनी से पहले १ ग्राम फ्युराडान ३ जी० दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला कर रोपनी करें। २०–२५ दिनों वाली फसल में निकौनी करें।
- फूलगोभी की पूसा अगहनी,पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–१, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेधना, काशी कुवाँरी एवं अर्ली स्नोबॉल आदि किस्मों की रोपाई करे। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में १०–१५ किलो ग्राम बोरेक्स तथा १ किलोग्राम सोडियम मालिब्डेट या अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार खेत की तैयारी के समय करे। अगात रोपी गयी फुल गोभी में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगराणी करे एवं प्रकोप दिखाई देने पर वचाव हेतु स्पेनोसेड दवा एक मी०ली० प्रति ४ लीटर पानी में घोलकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- विषाणु से ग्रसित टमाटर एवं मिर्च के पौधों को जड़ से उखाड़ कर जला दें। रोग की तीब्रता अधिक होने पर इमिडाक्लाप्रिड १ मी०ली० प्रति ३ ली० पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- पिछात बरसाती भिंडी की फसल में फल एवं प्ररोह वेधक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू भिंडी फलों के अन्दर छेद बनाकर उसके अन्दर घुसकर फलों को खाते हैं तथा इसे पुरी तरह नष्ट कर देते हैं। इसकी रोक-थाम के लिए सर्वप्रथम प्रभावित फलों को तोड़कर मिट्टी के अन्दर दबा दें। अधिक नुकसान होने पर क्वीनालफॉस २५ ई०सी० दवा का २ मी०ली० प्रति लीटर पानी या डाईमेथोएट ३० ई०सी० दवा का १.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः 31.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.0 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 25.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी